

भटकाव की राह में रिश्तों का कत्ल

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रही। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हज़ार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताते की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की।

दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहु के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तस्वीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाय़ा। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का गुम राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 जून, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष पूर्णिमा, 13:11 तक, नक्षत्र : ज्येष्ठा, 20:01 तक, योग : साध्य, 13:53 तक, सूर्योदय: 4:51, सूर्यास्त: 18:21, चन्द्रोदय : 18:38, चन्द्रास्त: 04:25, शक सम्वत् : 1947 विश्वावृत, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 11:36 से 13:16

राशिफल

- **मेष** : मेष राशि के लोगों के लिए हर काम बहुत ही सावधानी से करने की सलाह है। आपकी सहनशीलता की परीक्षा हो सकती है, इसलिए कार्यस्थल पर संयम और धैर्य बनाए रखें।
- **वृष** : वृषभ राशि के लोगों का दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और दिन प्रफेक्शनल रूप से व्यस्त रहेगा, लेकिन इसी व्यस्तता में लाभ के कई अवसर भी छिपे हैं।
- **मिथुन** : मिथुन राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा और आपके अंदर कुछ नया करने की इच्छा प्रबल होगी। टेक्नॉलजी और संचार से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है।
- **कर्क** : कर्क राशि के लोगों का दिन समझदारी से काम करने का है। आपका दिन मानसिक रूप से हल्का असंतुलन वाला हो सकता है। कार्यों में निरंतरता बनाए रखें।
- **सिंह** : सिंह राशि वालों के आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी, जिसका लाभ ऑफिस या व्यवसाय दोनों जगह मिलेगा। पुरानी योजना साकार रूप ले सकती है जिससे आय में वृद्धि के संकेत हैं।
- **कन्या** : कन्या राशि के लोगों को लाभ होगा और आपका आपका ध्यान कामकाज में ज्यादा लगेगा और मेहनत का फल भी जल्द मिलेगा। पुरानी योजनाओं को अमल में लाने का समय है।
- **तुला** : तुला राशि के लोगों का दिन आय और व्यय दोनों दृष्टि से सक्रिय रहेगा। किसी पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है लेकिन साथ ही अनियोजित खर्च भी सामने आ सकते हैं।
- **वृश्चिक** : वृश्चिक राशि के लोगों का दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा और आपको दिन की शुरुआत में थकान महसूस हो सकती है। लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ेगा ऊर्जा का संचार होगा।
- **धनु** : धनु राशि वालों को लाभ होगा और आपका मन काफी सकारात्मकता से भरा होगा। आपका उत्साह चम पर रहेगा और आप हर कार्य में सकारात्मक ऊर्जा के साथ जुड़ेंगे।
- **मकर** : मकर राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा। आपको अपने कार्यों में स्पष्टता और संतुलन की आवश्यकता है। दफ्तर या व्यवसाय में कोई व्यक्ति आपके धैर्य की परीक्षा ले सकता है।
- **कुम्भ** : कुंभ राशि के लोग काफी व्यस्त रहेंगे, लेकिन उसी व्यस्तता में सफलता छिपी है। ऑफिस में टीमवर्क का महत्व समझें और साथियों के साथ समन्वय बनाए रखें।
- **मीन** : मीन राशि के लोगों को करियर के मामले में धन लाभ होगा। आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। कार्यक्षेत्र में पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने का दिन है, अचानक कोई अवसर मिल सकता है।

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर



ललित गर्ग

समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का हास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठाँक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगमष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निर्गुणी चद्रिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं

है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो –सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, जोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, सतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है। संत कबीर का जन्म लहतारा के पास जेट पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होंने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के

प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो

संत कबीर जन्म जयन्ती- 11 जून, 2025



गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग

आईएएस अधिकारी के रिश्त में पकड़े जाने पर उठे सवाल



अशोक मधुप

उड़ीसा के कलालाहांडी जिले के धरमागढ़ में 2021 बैच के आई ए एस अधिकारी डिप्टी कलेक्टर धीमन चक्रमा को अ ो ि ड श ी विजिलेंस ने 10 लाख रुपये की रिश्त लेते रगे हाथों पकड़ा [उनके निवास से 47 लाख रुपये अतिरिक्त बरामद हुए। विजीलेंस की जांच जारी है। मात्र चार साल के शुरुआती कैरियर में रिश्त लेते पकड़े जाना, यह बताने के लिए काफी है कि आज भारतीय समाज के भ्रष्टाचार की जड़ कितनी गहराई तक पहुंच गई हैं।व्यवस्था की सभी खबे आज बेईमानी की जद में हैं।हम अधिकारी ,राजनेता और व्यवस्था के भ्रष्टाचार के खिलाफ तो खूब बोलते और लिखते है, किंतु न्यायपालिका के कदाचार पर चुप्पी साध जाते हैं, जबकि वहां भी हालत सब जगह जैसी ही है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसैंट की रिश्त लेते रगे हाथों पकड़ा।बताया जा रहा है कि एक स्थानीय व्यापारी से 20 लाख रुपये मांगे गए थे।इसी तय राशि में से आधी रकम दी गई थी।व्यापारी का आरोप था कि चक्रमा ने उनके स्टोन क्रेशर यूनिट के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी थी।इसके बाद विजिलेंस ने जाल बिछाया और चक्रमा अपने सरकारी आवास पर रिश्त लेते पकड़े गए। केमिकल टेस्ट में उनके हाथ और दाज दोनो पॉजिटिव गए गए। इसके बाद उनके आवास से 47 लाख रुपये नकद और बरामद हुए।।सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर अपने को मिले विशेष अधिकार के बूते मामले दबा रहे हैं।राज्य सभा अध्यक्ष

जगदीप जाखड़ भी इस पर तीखी टिप्पणी कर चुके हैं।

रिश्त के आरोपी अधिकारी धीमन चक्रमा का जन्म त्रिपुरा के एक छोटे से कस्बे केचनपुर में हुआ। उनके पिता स्कूल टीचर हैं, जबकि मां हाउस वाइफ हैं। धीमन ने अगर्तला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्न-ोलॉजी (एनआईटी) से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद धीमन ने यूपीएससी की तैयारी शुरू की। उन्हें पहले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में जगह मिली और वह ओडिशा के मयूरभंज जिले में आईएफएस अधिकारी के तौर पर तैनात हुए।उनका सपना आईएस बनने का था। 2020 में उन्होंने फिर से यूपीएससी की परीक्षा दी और इस बार 482वें रैंक हासिल की। इस सफलता ने उन्हें 2021 बैच का ख-ड अधिकारी बनाया और वह ओडिशा केडर में शामिल हुए।2020 की कामयाबी के बाद उन्होंने एक साल की ट्रेनिंग ली।इसके बाद वर्ष 2021 बैच का आईएएस नियुक्त किया गया।आठ जून 2025 को ओडिशा विजिलेंस ने धीमन चक्रमा को 10 लाख रुपये की रिश्त लेते रगे हाथों पकड़ा।बताया जा रहा है कि एक स्थानीय व्यापारी से 20 लाख रुपये मांगे गए थे।इसी तय राशि में से आधी रकम दी गई थी।व्यापारी का आरोप था कि चक्रमा ने उनके स्टोन क्रेशर यूनिट के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी थी।इसके बाद विजिलेंस ने जाल बिछाया और चक्रमा अपने सरकारी आवास पर रिश्त लेते पकड़े गए। केमिकल टेस्ट में उनके हाथ और दाज दोनो पॉजिटिव गए गए। इसके बाद उनके आवास से 47 लाख रुपये नकद और बरामद हुए।।सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर अपने को मिले विशेष अधिकार के बूते लोगो दबा रहे हैं।राज्य सभा अध्यक्ष

वर्ग पहेली नं. 3119

1	2	3	4	5	6
		7	8		
9		10		11	12
	13		14		
15				16	17
			18	19	20
21	22	23		24	25
	26			27	
28		29		30	

बायें से दायें:- 1) जासूस, 4) नवागत; अपरिचित, 7) पैरोकारी, 9) मानसिक टेस, 11) एक सुंदर फूलधार पेड़, 13) दरदरा, 15) पार्वती, 16) सदा, 18) स्वेच्छाचार, 21) स्वर्ग, 23) पितापिता, 24) भारत का एक राज्य, 26) लौक, 27) कुछ नहीं, 28) प्रकार; उपाय, 29) प्रथा, 30) तुण जाति का एक पौधा जिसके बीज को चावल कहा जाता है.

ऊपर से नीचे:- 2) ग्राहक, 3) जलीय अंश (फलों का), 4)

मतलब; धन, 5) जनक-सुता, 6) चुनना, 8) मीठा, 10) अर्थात, 12) बगैर; विहीन, 14) एक दानेदार मीठा फल, 15) गणेश, 17) दैत्य, 19) नैरमौजुद; लुप्त; गायब, 20) स्त्रीलिंगीय सजीव, 22) भूखंड; मनुष्यों का वर्ग, 24) कोई और, 25) गंवा, 27) पराक्रमी.
(उत्तर: अगले अंक में)

<i>सिंघीली फेंकी कर उम्मीर</i>					
अ स ली	वि म ल	गु ड			
ब	चं द	ा गा र			
त ब क	डी सी ता	गा य			
पा ल	क ज ख ा र ना	मु			
क मी	क ल्पना	दा ग ना			
च प ल	चि र ल				
आ न	क धा व र	ना टा			
रो	बं द स त ला क	व			
प रि व	खू न	द रा र			

सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस

अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निषाया। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शाख और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवार नहीँ। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का

महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूढ़-बूढ़ में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी

थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा।

यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, ‘बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।’ इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ मैं हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूँढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं।

‘मसि-कागद’ छुए बगैर ही वह सब कह गए जो श्रीकृष्ण ने कहा, नानक ने कहा, ईसा मसीह ने कहा और मुहम्मद सातब ने कहा। आश्चर्य की बात, अपने साक्ष्यों के प्रसार हेतु कबीर सारी उम्र किसी शाख या पुराण के मोहताज नहीं रहे। न तो किसी शाख विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शाख में बाँधा। कबीर ने समाज की दुखती रग को छुटकारा दिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा चाहते हैं। वे पुराओं के गुरु हैं, उनका फकडपन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएँ युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेंगी।

–लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

पर सवाल उठाए। उपराष्ट्रपति ने न्यायिक

समितियों की भूमिका और न्यायिक निर्णयों पर पैसों के संभावित प्रभाव पर भी चिंता जताई।उन्होंने कहा कि सरकार आज लाचार है क्योंकि एक न्यायिक आदेश एफआईआर दर्ज करने में बाधा बना हुआ है। अगर कोई अपराध हुआ है तो उसकी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। यह सबसे बुनियादी और शुरुआती कदम है, जो पहले ही दिन उठाया जा सकता था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जब तक न्यायपालिका के सर्वोच्च स्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि ‘अगर यह अनुमति नहीं दी गई तो क्यों?’ ‘क्या किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव ही इस संकट का समाधान है? उपराष्ट्रपति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के निवास से बरामद नकदी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की छवि को गहरा आघात देने वाला मामला है। उन्होंने पूछा, अगर यह घटना सामने नहीं आती, तो क्या हमें कभी पता चलता कि और भी ऐसे मामले हो सकते हैं?जगदीप धनखड़ ने जोर दिया कि जब नकदी मिलती है तो हमें यह जानना चाहिए कि वह पैसा किसका है, उसकी मनी ट्रेल क्या है, और क्या उस पैसे ने न्यायिक निर्णयों को प्रभावित किया।जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब जनता का अन्य संस्थाओं से विश्वास उठता है, तब भी वे न्यायपालिका की ओर आशा से देखते हैं। उन्होंने कहा, हमारे न्यायाधीशों की बुद्धिमत्ता और परिश्रम अद्वितीय है लेकिन अगर वहीं संदेह की दृष्टि में आ जाएं तो लोकतंत्र की नींव ही हिल जाएगी। यह सोचना कि मीडिया का ध्यान हटते ही

मामला ठंडा पड़ जाएगा, एक बहुत बड़ी भूल होगी। इस अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए।धनखड़ ने आगे कहा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश का आधार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने दस्तावेजों को सार्वजनिक किया। हम ये कह सकते हैं कि नकदी की जल्ती हुई क्योंकि रिपोर्ट कहती है और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक की। हमें लोकतंत्र के विचार को नष्ट नहीं करना चाहिए। हमें अपनी नैतिकता को इस कदर गिराना नहीं चाहिए। हमें ईमानदारी को समाप्त नहीं करना चाहिए।

इन मामलों को देख हमें सोचना होगा कि समाज कहां जा रहा है।ज्ञाशासन तंत्र, जन-सेवक और न्यायपालिका को सामाजिक मानदंड और एथिक्स में क्या पढ़ाया जा रहा है,कैसे पढ़ाया जा रहा है। दरअस्त भारतीय समाज में बढ़ा कदाचार समाज में बढ़ी भौतिकता की देन है।पहले जीवन आदर्श महत्वपूर्ण थे।ईमानदार व्यक्ति को समाज में सम्मान मिलता था। अब समाज के मानक बदल गए। अब पैसे वाले को सम्मान मिलता है।ये कोई नही पूछता कि पैसा आया कि नहीं और कैसे आया।परिवार सदस्य ही परिवार के ईमानदार मुखिया को बेवकूफ मानते हैं।ईमानदारी के लिए समय समय पर उसका अपमान करते हैं। बढ़ते कदाचार को रोकने के लिए हमें अपने सामाजिक मिथक का पाठ प्रारंभ से ही बच्चों को पढ़ाना होगा।उन्हें ये भी बताना होगा कि कानून के हाथ बड़े लंबे हैं।इसके वंगुल में फंसने पर सजा तो काटनी ही पड़ेगी। सम्मान को भी बढ़ा लगेगा। निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा।इन मामलों में त्वरित न्याय की व्यवस्था करानी होगी ताकि इनकी सजा से अन्य सीख लें।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

सुडोकू-पहेली-3076

					3
1		7	5		2
			8	5	
	2	5		1	
	3	6			1
7				8	
8	4		1		5
9	6				4
			2		6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

....

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3075 का उत्तर									
9	8	3	4	1	2	7	5	6	
7	2	4	6	9	5	3	1	8	
6	5	1	8	3	7	2	4	9	
3	6	5	2	7	4	9	8	1	
2	9	8	1	5	6	4	7	3	
1	4	7	9	8	3	5	6	2	
4	1	9	5	2	8	6	3	7	
8	3	6	7	4	9	1	2	5	
5	7	2	3	6	1	8	9	4	

महीने तक वैध रहेगा।
 हाईकोर्ट के इस फैसले से शहर
 की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को
 राहत मिलने की संभावना है।
 खासकर उन निजी बस मालिकों के
 लिए जो पुराने लेकिन सही हालत में
 मौजूद जो सड़कों को चलाना चाहते हैं।
 साथ ही यह कदम वाहन सुरक्षा और
 प्रदूषण नियंत्रण के दिशानिर्देशों को
 संतुलित रखने के लिए लागू किया
 गया है।
 यह फैसला उस समय आया है
 जब राज्य सरकार और निजी बसें
 ऑपरेटर्स के बीच लंबे समय से पुराने
 वाहनों को लेकर विवाद चल रहा
 था। अब कानूनी मान्यता मिलने के
 बाद 15 साल से अधिक पुराने,
 लेकिन फिट बनें, नियमों का पालन
 करते हुए, कोलकाता की सड़कों पर
 चलती रह सकेंगी।



सामान्य हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने पंचायत और पुलिस की संयुक्त पहल और चावल बरामद करने के लिए की गई त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशासन की खूब प्रशंसा की है। हालांकि, ग्रामीणों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र में स्थायी सुरक्षा उपाय और डांचागत विकास की पुरजोर मांग की है।

न्यूज इन ब्रीफ

पटना के बिक्रम इलाके में गोलियों से छलनी दो शव मिले

पटना : राजधानी पटना में दोहरे हत्याकांड के एक दिन बाद मंगलवार सुबह बिक्रम इलाके में गोलियों से छलनी दो शव मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है। पालीगंज अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) उमेश्वर चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ‘पुलिस को सुबह करीब छह बजे सूचना मिली कि बिक्रम थाने के अंतर्गत मझौली ग्रामीण सड़क के पास दो शव पड़े हैं। एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि दोनों के शरीर पर गोली लगी हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।’

काशी विधनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं से जबरन वसूली करने वाले 21 फर्जी पुजारी गिरफ्तार

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वार-णसी जिले में पुलिस ने काशी विधनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं से दर्शन-पूजन कराने के नाम पर मनमाने ढंग से पैसे वसूलने वाले 21 फर्जी पड़ो-पुजारियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। दशाश्वमेध घाट के सहायक पुलिस आयुक्त (एसपीबी) अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि काशी विधनाथ धाम में दर्शन पूजन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवेध वसूली और दुर्व्यवहार किये जाने की शिकायत काफी दिन से मिल रही थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर दशाश्वमेध घाट और चौक थाने की संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस की टीम ने मंगलवार को दशाश्वमेध घाट से 15 और चौक से छह फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत हैं बिहार के दो-दिवसीय दौरे पर

पटना : बिहार के दो-दिवसीय दौरे पर गये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को संगठन के कामकाज एवं अन्य संबंधित विषयों को लेकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। आरएसएस के एक पदाधिकारी के अनुसार, भागवत सुबह राज्य की राजधानी पहुंचे और स्वयंसेवकों के लिए एक ‘प्रशिक्षण शिविर’ को संबोधित करने के अलावा संगठन की ‘अंदरूनी बैठक’ करने में दिन बिताया। भागवत (74) के बुधवार को और ऐसी बैठक करने की संभावना है।

समाचार

नरेंद्र देवांगन
एक चिड़िया दाने की खोज में उड़ी जा रही थी। दोपहर होने को आई थी, पर अभी तक उसे कुछ नहीं मिला था। तभी नीचे एक कुआं दिखाई दिया। पास ही एक गड्ढे में पानी भरा था। चिड़िया को प्यास लग गई। वह गड्ढे के पास जा उतरी और प्यास बुझाने लगी। तब जा कर उसकी जान में जान आई।

कुएं के पास एक आदमी बैठा था। वह शक्ल से बीमार लगता था। चिड़िया ने उसकी आवाज सुनी, ‘खाली पेट पानी कैसे पिया जाएगा? देल से मुंह में एक दाना भी नहीं गया है लेकिन मुझे खाना देना कौन?’

आवाज सुन, चिड़िया ने मन में कहा, ‘काश, यह भी मेरी तरह दाना चुगता तो इसका पेट कैसे भी भर ही जाता। आखिर लोग भूखे पेट क्यों रहते हैं?’ और फिर वह आगे उड़ चली।

चिड़िया को एक पेड़ के नीचे दो आदमी दिखाई दिए। वे खाना खा रहे थे। चिड़िया वहां जा उतरी, फुदकने लगी। वह बार-बार अपने पंख फैला रही थी। दोनों आदमियों ने खाना खत्म किया तो एक रोटी बच गई थी। रोटी वहीं छोड़ दोनों व्यक्ति आगे चल दिए।

चिड़िया के मन में आया, ‘अगर यह रोटी उस भूखे को मिल सके तो उसका पेट भर सकता है।’

चिड़िया ने रोटी को चोंच से पकड़ा पर उसे खींच न सकी। वह छोटी-सी चिड़िया रोटी को चोंच में दबा कर उड़ने की सोच रही थी पर यह संभव नहीं था। फिर भी वह उस भूखे आदमी की मदद करना चाहती थी।

तभी चार और चिड़ियां उस रोटी के पास आ उतरीं। पहले वाली चिड़िया ने उन्हें भूखे आदमी के बारे में बताया। अब उसकी सखियां भी सोच में डूब गईं। थोड़ी देर के लिए किसी भी चिड़िया को यह याद न रहा कि वे अपने परिवार के लिए दाने की खोज में निकली थीं।

आखिर उन्होंने तय किया कि वे मिल कर उस रोटी को उठाएंगी तो शायद बात बन जाए। वे पांचों से चोंच से पकड़ कर खींचने लगीं

ब्राह्मण, चोर, और दानव

एक गाँव में द्रोण नाम का ब्राह्मण रहता था। भिक्षा माँग कर उसकी जीविका चलती थी। सदीं-गर्मी रोकने के लिये उसके पास पर्याप्त वस्त्र भी नहीं थे। एक बार किसी यजमान ने ब्राह्मण पर दया करके उसे बैलों की जोड़ी दे दी। ब्राह्मण ने उनका भरन-पोषण बढ़े यत्न से किया। आस-पास से घी-तेल-अनाज माँगकर भी उन बैलों को भरपेट खिलाता रहा। इससे दोनों बैल खूब मोटे-ताजे हो गये। उन्हें देखकर एक चोर के मन में लालच आ गया। उसने चोरी करके दोनों बैलों को भाग लेजाने का निश्चय कर लिया। इस निश्चय के साथ जब वह अपने गाँव से चला तो रास्ते में उसे लंबे-लंबे दांतों, लाल आँखों, सूखे बालों और उभरी हुई नाक



भारत हर क्षेत्र में ‘शक्तिशाली राष्ट्र’ बन रहा है : केंद्रीय मंत्री मेघवाल



पटना : केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत समग्र विकास और समावेशी वृद्धि हासिल करने की दिशा में परिवर्तनकारी यात्रा पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश हर क्षेत्र में एक ‘शक्तिशाली राष्ट्र’ बन रहा है। उन्होंने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ‘पिछले 11 वर्षों में देश ने आर्थिक, सांस्कृतिक

की विकास यात्रा का नेतृत्व करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा, ‘शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और दूसरों को प्रेरित कर रही हैं। यह मोदी के नेतृत्व में नया भारत है।’ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र की राजग सरकार ने पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है।

जयपुर: निर्जला एकादशी पर सड़कों पर बांटी शराब, सात युवक गिरफ्तार

जयपुर (राजस्थान) : सोशल मीडिया पर ‘फॉलोअर्स’ बढ़ाने के लिए यहां कुछ युवकों ने कथित रूप से निर्जला एकादशी पर सड़क पर सरेआम लोगों को शराब बांटी। पुलिस ने वीडियो प्रसारित होने के बाद सात युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) दिगंत आनंद ने मंगलवार को बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ है जिसमें कुछ युवक निर्जला एकादशी के दिन जयपुर की



एक सड़क पर शराब बांटेते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस वीडियो को धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले मानते हुए कार्रवाई की और जांच-पड़ताल के बाद इस कृत्य में शामिल सात युवकों को

गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इन युवकों में कथित सोशल मीडिया ‘इन्फ्लुएंसर’ लणू सत्विन उर्फ सचिन सिंह के साथ-साथ प्रदीप कड़वासवा, विकास वर्मा, अभिषेक निर्मल, सुनील कुमार, आदित्य महरीया और अंकित मेघवाल शामिल हैं। युवकों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह वीडियो किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर ‘फॉलोवर्स’ बढ़ाने के लिए बनाया था।



रोटी को देखात रहा, फिर जल्दी-जल्दी खाने लगा लेकिन एक दिन से दो दिन की भूख कहाँ मिटती, उल्टे भूख और भड़क उठी।

उसे रोटी खाते देख, पेड़ पर बैठी चिड़ियों ने खुशी से पंख हिलाए। वे बहुत प्रसन्न हुईं। एक रोटी खाने के बाद वह आदमी वहां से चलने लगा। शायद उसे उम्मीद थी कि कुछ और खाने को मिल जाए।

दोनों शिकारी भी बड़े ध्यान से यह सब देख रहे थे। उन्होंने आवाज दी, ‘ओ भाई, हमारे पास रोटी है। लगाता है, तुम बहुत भूखे हो। आओ, तुम भी हमारे साथ खा लो।’

कुछ ही पल बाद वे तीनों एक साथ भोजन कर रहे थे। पेट भर खाने के बाद वह आदमी शिकारियों को धन्यवाद देने लगा। इस पर वे हंस पड़े। उन्होंने कहा, ‘भाई, शुक्रिया तो उन चिड़ियों का करो जो तुम्हारे लिए रोटी लाई थीं।’

उन्होंने उसे पूरी घटना बता दी। फिर बोले, ‘पहले हमारे मन में चिड़ियों के शिकार की बात आई थी लेकिन अगर हम उनका शिकार करते तो हमारे हाथ से बहुत बड़ा पाप हो जाता।’

उस आदमी ने पोपकारी चिड़ियों की खोज में इधर-उधर देखा पर उनकी टोली तो वहां से जा चुकी थी। शिकारियों ने उस आदमी से पूछा, ‘तुम कहाँ रहते हो, क्या करते हो?’

उसने बताया, ‘मैं बेघर और बेरोजगार हूँ। रोजगार की तलाश में भटक रहा था पर कहीं कोई काम न मिला।’

शिकारियों ने कहा, ‘हम ठहरे शिकारी पर आज हमें लग रहा है कि निर्दोष परियों का शिकार बुरी बात है। आज से हम शिकार नहीं करेंगे। जब तक काम-धंधे का जुगाड़ न हो जाए, तब तक तुम हमारे साथ रह सकते हो।’

दिन ढल चला था। अब उन चिड़ियों को ध्यान आया कि वे भूखे आदमी की भूख मिटाने के चक्कर में दाना चुगना ही भूल गई थीं। उन्होंने आपस में कहा, ‘अंधेरा हो गया। आज तो सबको उपवास रहना होगा।’

सुन कर एक चिड़िया बोली, ‘यह दिन हमें सदा याद रहेगा जब हम सबने उपवास रखा था।’ फिर वे तेजी से अपने-अपने घोंसलों की तरफ उड़ चलीं। (उर्वशी)

जाऊँगा। इसलिये पहले मुझे ब्राह्मण को खा लेने दे, बाद में तुम चोरी कर लेना।’

चोर ने उत्तर दिया – ब्राह्मण की हत्या करते हुए यदि ब्राह्मण बच गया और जागकर उसने रखवाली शुरू कर दी तो मैं चोरी नहीं कर सकूँगा। इसलिये पहले मुझे अपना काम कर लेने दो। दोनوں में इस तरह की कहा-सुनी हो ही रही थी कि शोर सुनकर ब्राह्मण जाग उठा। उसे जाना हुआ देख चोर ने ब्राह्मण से कहा-ब्राह्मण ! यह राक्षस तेरी जान लेने लगा था, मैंने इसके हाथ से तेरी रक्षा कर दी।

राक्षस बोला- ब्राह्मण ! यह चोर तेरे बैलों को चुराने आया था, मैंने तुझे बचा लिया।

इस बातचीत में ब्राह्मण सावधान हो गया। लाठी उठाकर वह अपनी रक्षा के लिये तैयार हो गया। उसे तैयार देखकर दोनो भग गये।

सीख : शत्रु का शत्रु मित्र।

योगी ने बहराइच में महाराजा सुहेलदेव की 40 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया

बहराइच : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच में महाराजा सुहेलदेव की 40 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। अधिकारियों के अनुसार, महाराजा सुहेलदेव की इस कांस्य प्रतिमा का वजन 17 टन है और यह 40 फुट ऊंची और 17 फुट चौड़ी है। इस प्रतिमा में महाराजा सुहेलदेव को घोड़े पर सवार एक हाथ में भाला और कंधे पर धनुष लिए युद्ध लड़ने की अवस्था में दर्शाया गया है। भारतीय जनता

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के अध्यक्ष महेंद्र राजभर को एक कार्यकर्ता ने सभा में कई थप्पड़ जड़े

जौनपुर (उप्र) : जौनपुर ज़िले के जलालपुर थाना क्षेत्र में महाराजा सुहेलदेव के विजय दिवस पर आयोजित एक समारोह में मंगलवार को सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर को एक कार्यकर्ता ने माला पहनाने के बाद ताबड़तोड़ कई थप्पड़ जड़ दिये। इस घटना का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। घटना जौनपुर के जलालपुर थाना क्षेत्र के आशापुर गांव की है, जहां सुहेलदेव के विजय दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर को उनके साथी वृंजेश राजभर ने भरी सभा में माला पहनाने के बाद ताबड़तोड़ कई थप्पड़ जड़ दिये। उसके बाद कार्यक्रम में हलचल मच गई। राजभर बाहुल्य जफराबाद विधानसभा क्षेत्र में यह कार्यक्रम सम्राट सुहेलदेव की प्रतिमा के स्थापना के लिए भूमि पूजन हेतु आयोजित था। कार्यक्रम में महेंद्र राजभर मुख्य अतिथि बनाये गए थे।

झारखंड: हिरासत शिविर से भागे तीन बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

हजारीबाग (झारखंड) : झारखंड के हजारीबाग में विदेशियों को रखने के लिये बनाए गए शिविर से भागे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हिरासत शिविर से भागे एक बांग्लादेशी नागरिक को धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य को बांग्लादेश-पश्चिम बंगाल सीमा के पास बांगॉग से गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान रीना खान, निफा अख्तर उर्फ खुशी और मोहम्मद नजमुल हलधर के रूप में हुई है। तीनों सोमवार सुबह शिविर से भाग गए थे।

मोदी सरकार के 11 साल के शासन में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए: स्मृति ईरानी



रांची: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि (नरेन्द्र) मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बीते 11 साल के शासन में देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि देश में चार करोड़ मकान गरीबों को उपलब्ध कराए गए और 1.5 करोड़ परिवारों को नल से पानी की आपूर्ति उपलब्ध कराई गई। मोदी सरकार के शासन के 11 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मीडियकार्मियों को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा, ‘सहआयमी गरीबी से लोगों को बाहर निकालना प्रधानमंत्री

कारोबारी माहौल से उत्तर प्रदेश औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए पसंदीदा राज्य बना : मुख्य सचिव

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि उ्र वाणिज्यिक कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए शीर्ष पसंदीदा राज्यों में शामिल हो गया है, जिसका कारण प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन और सहयोगी कारोबारी माहौल है। एक बयान के मुताबिक राज्य की प्रमुख निवेश प्रोत्साहन एजेंसी ‘इन्वेस्ट यूपी’ ने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति 2024 के प्रचार-प्रसार और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से लखनऊ

के ताज होटल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकारियों, वैश्विक निवेशक, नीति निर्माताओं और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को जीसीसी के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने पर मंथन किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि उप्र वाणिज्यिक कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए शीर्ष पसंदीदा रज्यों में शामिल हो गया है, जिसका कारण प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन और सहयोगी कारोबारी माहौल है।

न्यूज अपडेट

आजमगढ़ में महिला ने छह साल की बेटी की हत्या की

आजमगढ़ : उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में एक महिला ने अपनी छह साल की बेटी की कथित तौर पर गला घोटकर हत्या कर दी और अपने तीन साल के बेटे को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक जिले के मेहनगर थाना क्षेत्र के गौरा गांव में सोमवार देर रात हुई इस घटना के बाद आरोपी सरोज यादव को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि उसके घायल बेटे का इलाज आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। आजमगढ़-नगर के अपर पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह के अनुसार सरोज के पति पेशे से चालक सुनील यादव लखनऊ में रहते हैं। सुनील अपने भाई मनीष यादव की शादी में शामिल होने के लिए करीब 20 दिन पहले अपने पैतृक गांव लौटे थे। सोमवार शाम को सरोज ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों को पीटना शुरू कर दिया। जब सुनील ने बीच-बचाव कर उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने कथित तौर पर फांसी लगाने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर आत्महत्या के प्रयास को रोक़ा। बाद में उस रात सरोज ने कथित तौर पर अपनी बेटी शानवी उर्फ किटू की पिटाई की और गला घोटकर उसकी हत्या कर दी।

मुजफ्फरनगर में लापता व्यापारी की हत्या, शव गंग नहर से बरामद

मुजफ्फरनगर : उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के नयी मंडी थाना क्षेत्र में सोमवार से लापता एक व्यापारी का शव गंगलवार को गंग नहर से बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मोबाइल फोन का कारोबार करने वाले व्यापारी की हत्या कर दी गयी थी और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार मोबाइल व्यापारी नवीन मित्तल (45) का शव भारतीय कॉलोनी के पास गंग नहर से बरामद किया गया। नयी मंडी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दिनेश चंद भगेल ने संवाददाताओं को बताया कि इस सिलसिले में दुकानदार नमन ज़िंदल और उसके सहायक आतिश के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। भगेल ने कहा, दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कुशीनगर में नाबालिग लड़की का अपहरण कर धर्मांतरण व दुष्कर्म, चार आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर/कुशीनगर : उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में एक नाबालिग किशोरी का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक किशोरी को बंधक बनाकर रखने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया गया, जिसमें चार आरोपियों में से एक महिला ने भी मदद की। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को मेराज अपने साथियों सेराज, मेरूद्दीन उर्फ मेराजुद्दीन अंसारी और हसीना खातून के साथ मिलकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। कुशीनगर पुलिस के अनुसार, लड़की की मां की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने तुरंत एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच के आदेश दिए।

बिहार सरकार नौ कमजोर जनजातीय समूह के लोगों को पक्के मकान उपलब्ध कराएगी

पटना : बिहार सरकार ने नौ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीबीटीजी) के लोगों को आधुनिक सुविधाओं से लैस पक्के मकान उपलब्ध कराने का मंगलवार को फैसला किया। सरकार ने कहा कि आदिवासी परिवारों को प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। उसने बताया कि मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने आदिवासी परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष रखा था। अतिरिक्त मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मंत्रिमंडल ने ग्रामीण विकास विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बिहार के 10 जिलों में रहने वाले नौ पीबीटीजी को आधुनिक सुविधाओं से लैस पक्के मकान उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया, इन नौ पीबीटीजी में अशुर, बिरहोर, बिराजिया, हिलखरिया, कोरवा, मालपहाड़िया, परहेया, सूर्यपहाड़िया और सावर शामिल हैं। मंत्रिमंडल बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए प्रारंभिक रूप से 10 जिलों में लगभग 1,308 आदिवासी परिवारों की पहचान की गई है। पात्र परिवारों को चार समान किस्तों में दो लाख रुपये दिए जाएंगे... और यह राशि योजना के तहत सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी जाएगी।

मनोरंजन

अकबर का साला

अकबर का साला हमेशा से ही बीरबल की जगह लेना चाहता था। अकबर जानते थे कि बीरबल की जगह ले सके ऐसा बुद्धिमान इस संसार में कोई नहीं है। फिर भी ज़ोरू के भाई को वह सीधी ‘ना’ नहीं बोल सकते थे। ऐसा कर के वह अपनी लाडली बेगम की बेरूखी मोल नहीं लेना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने अपने साले साहब को एक कोयले से भरी बोरी दे दी और कहा कि-

जाओ और इसे हमारे राज्य के सबसे मक्का और लालची सेठ – सेठ दमड़ीलाल को बेचकर दिखाओ , अगर तुम यह काम कर गए तो तुम्हें बीरबल की जगह वज़ीर बना दूंगा।

अकबर की इस अजीब शर्त को सुन कर साला अचंभे में पड़ गया। वह कोयले की बोरी ले कर चला तो गया। पर उसे पता था कि वह सेठ किसी की बातो में नहीं आने वाला ऊपर से वह उल्टा उसे ही चूना लगा देगा। हुआ भी यही सेठ दमड़ीलाल ने कोयले की बोरी के बदले एक लेला भी देने से इनकार कर दिया।

साला अपना सा मुंह लेकर महल वापस लौट आया और अपनी हार स्वीकार कर ली.

अब अकबर ने वही काम बीरबल को करने को कहा।

बीरबल कुछ सोचे और फिर बोले कि सेठ दमड़ीलाल जैसे मक्का और लालची सेठ को यह कोयले की बोरी क्या मैं सिर्फ कोयले का एक टुकड़ा ही दस हजार रूपये में बेच आऊंगा। यह बोल कर वह तुरंत वहाँ से रवाना हो गए।

सबसे पहले उसने एक दर्ज़ी के पास जा कर एक मखमली कुर्ता सिलवाया। हीरे-मोती वाली मालाएं गले में डाली। महंगी जूती पहनी और कोयले को बारिक सुरमे जैसा पिसवा लिया।

फिर उसने पैसे कोयले को एक



सुरमे की छोटी चमकदार डिब्बी में भर लिया। इसके बाद बीरबल ने अपना भेष बदल लिया और एक मेहमानपर ने रुक कर इशिताएं दे दिया कि बगदाद से बड़े शेख आए हैं। जो करिश्माई सुरमा बेचते हैं। जिसे आँखों में लगाने से मरे हुए पूर्वज दिख जाते हैं और यदि उन्होंने कहीं कोई धन गाड़ा है तो उसका पता बताते हैं। यह बात शहर में आग की तरह फैली।

सेठ दमड़ीलाल को भी ये बात पता चली। उसने सोचा ज़रूर उसके पूर्वजों ने कहीं न कहीं धन गाड़ा होगा। उसने तुरंत शेख बने बीरबल से सम्पर्क किया और सुरमे की डिब्बी खरीदने की पेशकश की। शेख ने डिब्बी के 20 हजार रुपये मांगे और मोल-भाव करते-करते 10 हजार में बात तय हुई।

पर सेठ भी होशियार था, उसने कहा मैं अभी तुरंत ये सुरमा लगाऊंगा और अगर मुझे भेरे पूर्वज नहीं दिखे तो मैं पैसे वापस ले लूँगा।

बीरबल बोला, बिलकुल आप ऐसा कर सकते हैं, चलिए शहर के चौराहे पर चलिए और वहां इसे जांच लीजिये।

सुरमे का चमत्कार देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हो गयी।

तब बीरबल ने ऊँची आवाज़ में

कहा, ये सेठ अभी ये चमत्कारी सुरमा लगाउंगे और अगर ये उन्हीं की औलाद हैं जिन्हें ये अपना माँ-बाप समझते हैं तो इन्हें इनके पूर्वज दिखाई देंगे और गड़े धन के बारे में बताएँगे। लेकिन अगर आपके माँ-बाप में से किसी ने भी बेईमानी की होगी और आप उनकी असल औलाद नहीं होंगे तो आपको कुछ भी नहीं दिखेगा।

और ऐसा कहते ही बीरबल ने सेठ की आँखों में सुरमा लगा दिया।

फिर क्या था, सिर खुजाते हुए सेठ ने आँखें खोलीं। अब दिखना तो कुछ था नहीं, पर सेठ कोरे भी तो क्या करे!

अपनी इज्जत बचाने के लिए सेठ ने दस हजार बीरबल के हाथ थमा दिये। और मुंह फुलाने हुए आगे बढ़ गए।

बीरबल फ़ौरन अकबर के पास पहुंचे और रुपये थमाते हुए सारी कहानी सुना दी।

अकबर का साला बिना कुछ कहे अपने घर लौट गया। और अकबर-बीरबल एक दूसरे को देख कर मंद-मंद मुसकाने दी। इस किस्से के बाद फिर कभी अकबर के साले ने बीरबल का स्थान नहीं मांगा।

भारत अब मौसम पूर्वानुमान में विकसित देशों के बराबर: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि एक दशक पहले हमारा देश मौसम पूर्वानुमान के क्षेत्र में काफी पीछे था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब देश इस क्षेत्र में विकसित देशों के समकक्ष पहुंच गया है। बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से राज्यों के साथ समन्वय में प्रभावी बाढ़ प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने जल शक्ति मंत्रालय, एनडीएमए और राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र (एनअ-एएससी) को हिमनद झीलों की



निगरानी करने और किसी भी स्थिति में समय रहते कार्रवाई करने की सलाह दी। शाह ने कहा कि एनडीएमए को बाढ़ की तैयारी और राहत के लिए राज्य प्राधिकारियों के साथ भी समन्वय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन

‘एक भी जनहानि न होने’ के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 2014 में हमारा देश मौसम विज्ञान के क्षेत्र में बहुत पीछे था, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम विकसित देशों के बराबर हैं, अब हमें नंबर एक बनना है। गृह मंत्री ने देश में बाढ़ की समस्या को

कम करने के लिए किए जा रहे दीर्घकालिक उपायों तथा पिछले वर्ष हुई बैठक में लिए गए निर्णयों पर उठाए गए कदमों की भी समीक्षा की। उन्होंने बैठक में बाढ़ प्रबंधन के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा अपनाई गई नयी प्रौद्योगिकियों और उनके नेटवर्क के विस्तार पर चर्चा की। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) को राज्यों के साथ मिलकर राजमार्गों की बनावट में एकरूपता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि भारी बारिश की स्थिति में सड़कों पर जमा होने वाले पानी से निपटने के लिए राजमार्ग जल निकासी प्रणाली सड़क निर्माण का अभिन्न अंग बन सके।

न्यूज इन ब्रीफ

असम: धुबरी से निषेधाज्ञा हटाई गई, भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात

धुबरी (असम) : असम के धुबरी जिले में सांप्रदायिक तनाव के बाद हालात में सुधार होने पर मंगलवार को जिला प्रशासन ने मुख्यालय क्षेत्र से निषेधाज्ञा हटा ली और सभी दुकानों को खोलने की अनुमति दे दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धुबरी शहर में रविवार को एक मंदिर के पास मांस फेंके जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए थे जिसके चलते स्थिति बिगड़ गई थी जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आसू गैस के गोले दागने पड़े थे। धुबरी के उपায়ुक्त (डीसी) दिबाकर नाथ ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि फिलहाल शहर में स्थिति नियंत्रण में है। नाथ ने कहा, “हमने सोमवार के आदेश को निरस्त कर दिया है। अब दुकानें और बाजार खुल गए हैं।” उन्होंने बताया कि शहर के संवेदनशील इलाकों में शांति समितियां बनाई गई हैं, जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के सदस्य शामिल हैं।

संजय भंडारी से जुड़े पीएमएलए मामले में ईडी के समन पर पेश नहीं हुए रॉबर्ट वाद्रा

नयी दिल्ली : कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के पति रॉबर्ट वाद्रा ब्रिटेन में रह रहे कथित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर मंगलवार को पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि वाद्रा ने मंगलवार के समन पर स्थगन मांगा था और अब उन्हें नयी तारीख दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाद्रा का बयान दर्ज करना चाहता है और उसके बाद अदालत में उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करना चाहता है। संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में रॉबर्ट वाद्रा (56) से अप्रैल में लगातार तीन दिन तक पूछताछ की थी।

दिल्ली: अवैध रूप से देश में रह रहे 92 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली में 92 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंगोलपुरी रेलवे लाइन के पास नौ जून को एक विशेष अभियान के दौरान 31 पुरुषों, 22 महिलाओं, 24 नाबालिग लड़कों और 15 नाबालिग लड़कियों सहित कुल 92 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई जिसमें बताया गया था कि अवैध अप्रवासियों का एक समूह क्षेत्र छोड़ने की तैयारी कर रहा है। बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने बताया, जैसे ही पुलिस टीम रेलवे लाइन के पास पहुंची तो उसने देखा कि तीन से चार अलग-अलग समूह ट्रेन पकड़ने के लिए तैयार खड़े हैं, जिनके पास सामान भी है। पुलिस को देखकर बांग्लादेशी नागरिक तितर-बितर होने लगे, लेकिन अधिकारियों ने तुरंत उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। शर्मा ने बताया कि इनमें से कोई भी वैध यात्रा या पहचान दस्तावेज नहीं दिखा सका।

लोकल ट्रेन से जुड़ा हादसा

दो घायल यात्रियों की हालत गंभीर बनी हुई है, तीन की सर्जरी की गई

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में लोकल ट्रेन दुर्घटना में घायल हुए दो व्यक्तियों की हालत गंभीर बनी हुई है और तीन अन्य की मंगलवार को सर्जरी की गई। यह जानकारी सिविक अस्पताल के एक अधिकारी ने दी। सोमवार को व्यस्त समय के दौरान मुंब्रा रेलवे स्टेशन के निकट दो भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी तथा नौ अन्य घायल हो गए थे। ये सभी व्यक्ति दो ट्रेन के पायदान पर यात्रा कर रहे थे। इसमें से एक ट्रेन कसारा की ओर जा रही थी जबकि दूसरी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई की ओर जा रही थी। यात्री

भीड़भाड़ वाली रेलगाड़ियों के दरवाजों से लटक हुए थे और जब रेलगाड़ियां विपरीत दिशाओं से गुजरी तो उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए। कलवा में छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के डीन डॉ. राकेश बरोट ने कहा, “जुपिटर अस्पताल में दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।” उन्होंने कहा कि सात मरीज सिविक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सात मरीजों में से तीन की आर्थोपेडिक सर्जरी की गई है, जबकि दो अन्य की सर्जरी उचित समय पर की जाएगी।

लुधियाना उपचुनाव वादों को पूरा नहीं करने पर आप सरकार को सबक सिखाने का है अवसर: अनुराग ठाकुर

चंडीगढ़ : भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के मतदाताओं के पास पंजाब की आप सरकार को सता में आने से पहले अपने वादों को पूरा करने में कथित रूप से विफल रहने का जवाब देने का मौका है। पंजाब की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि राज्य में विकास थम गया है। नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर यहां प्रेसवार्ता में ठाकुर ने कहा, “लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में जनता के पास आप सरकार को अपने वादे पूरे करने में विफल रहने पर सबक सिखाने का मौका है।”



उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब को ‘नशा मुक्त’ बनाने का वादा किया था, लेकिन उसने राज्य को ‘नशा युक्त’ बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया,

“जिस तरह मादक पदार्थ बेचे जा रहे हैं, वह चिंता का विषय है।” पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, “उसने (आप ने) पंजाब के विकास का वादा किया था लेकिन विकास थम गया है।” बकाया कर्ज को लेकर आप सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पंजाब कर्ज में डूबा हुआ राज्य है, जहां सरकारी कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। लुधियाना पश्चिम उपचुनाव की चर्चा करते हुए ठाकुर ने आप पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली की जनता ने जिस व्यक्ति को नकार दिया उसे राज्यसभा भेजने का प्रयास किया जा रहा है। वह जाहिर तौर पर आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का जिन्न कर रहे थे।

नागरिकों को अपने सार्वजनिक दस्तावेजों पर सही जानकारी पाने का अधिकार : दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने आधिकारिक जन्म प्रमाणपत्रों की “स्थिता की अंधाधुंधता” को रेखांकित करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को एक छात्र के विवरण में सुधार करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरिश वी. शंकर की पीठ ने यह कहते हुए सभी आधिकारिक दस्तावेजों के एक-दूसरे के अनुरूप किये जाने की “तत्काल आवश्यकता” को रेखांकित किया कि इससे न केवल सार्वजनिक दस्तावेजों में विशिष्ट विवरणों के निश्चितता होती है, बल्कि जन्म तिथि के साथ एक नागरिक की पहचान को संरक्षित करने में भी मदद मिलती है। अदालत ने कहा, “इस देश का नागरिक खुद से संबंधित सार्वजनिक दस्तावेजों पर सभी आवश्यक और

प्रासंगिक विवरणों का सही और सटीक विवरण पाने का हकदार है। सीबीएसई काफी महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रखने वाला संस्थान है।” पीठ ने यह टिप्पणी 1999 में जारी प्रमाणपत्रों में एक छात्र की जन्मतथि को सही करने के एकल न्यायाधीश के निर्देश के खिलाफ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की अपील खारिज करते हुए की। इस मामले में, पीठ ने सीबीएसई द्वारा दस्तावेज की अनेदेखी करने का कोई ठोस कारण नहीं पाया। पीठ ने कहा कि एक नागरिक को अपने सार्वजनिक दस्तावेजों पर सभी आवश्यक और प्रासंगिक विवरणों का सही एवं सटीक विवरण प्राप्त करने का अधिकार है और दूसरों कक्षा के प्रमाणपत्र को “जन्म तिथि का अकाट्य प्रमाण” माना जाता है।

असम के विकास में है भूमि अधिग्रहण बाधा : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण एक बड़ी बाधा है। शर्मा ने दावा किया कि उनके पास फिलहाल एक लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हैं, लेकिन भूमि की अनुपलब्धता के कारण परियोजनाएं जमीन पर नहीं उतर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को उद्योगों से होने के लाभों खासकर युवाओं को मिलने वाले रोजगार के अवसरों के बारे में समझाया जाना चाहिए। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 11 साल पूरे होने पर यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता शर्मा ने कहा, “कभी-कभी हमें याद नहीं रहता कि पहले इसमें क्या था। जिन लोगों ने 2014 से पहले असम को देखा है और अब



2025 में उन्हें फर्क नजर आ रहा है।” उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने यह कहकर पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे की उपेक्षा की कि यदि यहां सड़कें विकसित की गईं तो चीनी सेना आसानी से प्रवेश कर सकेगी। शर्मा ने कहा, “लेकिन अब हमारे पास अरुणाचल प्रदेश में सबसे अच्छी सड़कें हैं और वहां ट्रेन कनेक्टिविटी में सुधार किया जा रहा

है। कोकराझार से भूटान तक रेलवे लाइन होगी।” उन्होंने पिछले दशक में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं का उद्धरण किया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास को गति देने के लिए लोगों की मानसिकता में बदलाव जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा, “मेरे पास अभी एक लाख करोड़ रुपये का निवेश

रेल मंत्रालय ने 402 करोड़ रुपये की मथुरा-वृंदावन रेल परिवर्तन परियोजना को स्थायी रूप से बंद किया

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने मथुरा-वृंदावन रेलवे लाइन को ‘मीटर गेज’ से ‘ब्रॉड गेज’ में बदलने की अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना को “अलाभकारी” करार देते हुए स्थायी रूप से बंद कर दिया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 402 करोड़ रुपये थी। मथुरा-वृंदावन प्रखंड के अधिकारक्षेत्र से जुड़े उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन ने स्थानीय लोगों के विरोध के कारण कुछ महीने पहले इसे स्थायी रूप से समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था। रेल मंत्रालय ने एनसीआर जेन के महाप्रबंधक को छह जून को लिखे पत्र में कहा, “उत्तर मध्य रेलवे की उक्त अलाभकारी शाखा लाइन को बंद करने के उत्तर मध्य रेलवे के प्रस्ताव की (रेलवे) बोर्ड द्वारा पड़ताल की गई है। तदनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के मथुरा वृंदावन प्रखंड को स्थायी रूप से बंद करने की मंजूरी दे दी है।”

भ्रष्टाचार में लिप्त ‘बड़ी-बड़ी मछलियां’ फंसने लगीं और अब ‘मगरमच्छ’ भी नहीं बचेंगे : धामी



भ्रष्टाचार करने वाला प्रदेश में बख्शा नहीं जाएगा। धामी ने चुटकी लेते हुए कहा कि पहले आप लोग कहते थे कि छोटी-छोटी मछलियों को जाल में फंसा दिया जाता है। उन्होंने परोक्ष रूप से भ्रष्टाचारियों पर निशाना साधते हुए कहा, “अब बड़ी-बड़ी मछलियां भी जाल में

बेंगलुरु में भगदड़: कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सुनवाई के लिए 12 जून की तारीख तय की

बेंगलुरु : कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यहां चित्रास्वामी स्ट्रेडियम में चार जून को मची भगदड़ की घटना संबंधी याचिका पर मंगलवार को अगली सुनवाई के लिए 12 जून की तारीख तय की। पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल में पहली जीत के उपलक्ष्य में जश्न मनाने के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने मंगलवार को महाधिवक्ता शशि किरण शेटी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान शेटी ने कहा कि उन्होंने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और उसे रिपोर्ट देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है। शेटी ने सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल

सीआईडी ने आरसीबी और डीएनए अधिकारियों की हिरासत के अनुरोध को वापस लिया

भाजपा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन करेगी

शिवमोगा : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने बेंगलुरु में चित्रास्वामी स्ट्रेडियम के पास मची भगदड़ के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को कसूरवार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग को लेकर राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन करने की मंगलवार को घोषणा की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि 13 जून को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसके बाद मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की योजना है और 16 जून को सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि सिद्धरमैया और शिवकुमार जब तक इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सीलबंद जमानत याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जा रही है और मामले में दिए गए बयानों का पूर्ण सदस्य ने याचिका में पक्षकार बनने का अनुरोध किया है।

वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी एम जोशी ने स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई इस याचिका की सुनवाई की। विधान परिषद के एक पूर्व सदस्य ने याचिका में पक्षकार बनने का अनुरोध किया है।

एमयूडीए घोटाला: ईडी ने 100 करोड़ रुपये मूल्य की 92 संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के स्थलों के आवंटन में बड़े पैमाने पर हुए “घोटाले” के सिलसिले में 100 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 92 संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की भी कथित तौर पर संलिप्तता बताई जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने अब तक इस ‘घोटाले’ के संबंध में 400 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने आरोप लगाया है कि कुर्क की गई संपत्ति ‘हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटीज’ और ऐसे व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं, जो एमयूडीए अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए मुखौटा या ‘डमी’ के रूप में काम कर रहे थे। मुखौटा या ‘डमी’ से आशय ऐसे लोगों से है, जिनके नाम पर संपत्ति पंजीकृत होती है, लेकिन वे सिर्फ दिखावे के लिये मालिक होते हैं, जबकि उसका असली लाभ उठाने वाले प्रभावशाली लोग होते हैं, जो अपनी पहचान छिपाने के लिये दूसरों के नाम पर संपत्तियां पंजीकृत कराते हैं। केंद्रीय एजेंसी ईडी ने कहा, “ईडी द्वारा कुर्क किए गए 92 एमयूडीए स्थल लगभग 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले 160 एमयूडीए स्थलों की पिछली कुर्की का ही हिस्सा हैं।” एजेंसी ने कहा कि अब तक तकरीबन 400 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, जो अपराध से अर्जित आय से बनाई गई है।

एनएसजी ने 50 से अधिक संवेदनशील प्रतिष्ठानों की टोह ली, 3डी मानचित्र तैयार किए

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) ने देशभर में 50 संवेदनशील प्रतिष्ठानों की टोह ली है और उनका 3डी मानचित्र तैयार किया है, जिनमें धार्मिक स्थल एवं परमाणु ऊर्जा सुविधाएं भी शामिल हैं। यह कदम आतंकवादियों की ओर से इन जगहों को निशाना बनाए जाने की सूरत में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की तैयारियों के तहत उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिन प्रमुख धार्मिक स्थलों की टोह ली गई है और उनका 3डी मानचित्र तैयार किया गया है, उनमें अयोध्या स्थित राम मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर और दिल्ली का अक्षधाम मंत्री शामिल हैं। एनएसजी के महानिदेशक (डीजी) बी. श्रीनिवासन के मुताबिक, “ऑपरेशन सिंदूर” के दौरान कमांडो बल “ब्लैक कैट्स” ने भी अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बम निरोधक दस्ते ने जम्मू हवाई अड्डे पर विस्फोटक पेलोड से लैस ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया था। श्रीनिवासन ने एनएसजी के 23वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान यह जानकारी दी। इस दो-दिवसीय सम्मेलन का विषय आतंकवादी खतरों का मुकाबला करने और आधुनिक आतंकवाद की जटिलताओं से निपटने के लिए नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि एनएसजी की टीम ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से आए ड्रोन का मलबा और कामिकेज ड्रोन भी बरामद किए। भारतीय सशस्त्र बलों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सात मई को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ चलाकर पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया था।

सीबीआई ने सीजीएसटी अधीक्षक को रिश्ततखोरी में किया गिरफ्तार, करोड़ों की संपत्ति जब्त

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश में केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के एक अधीक्षक को एक निजी कंपनी पर जुर्माना माफ करने के लिए कथित तौर पर एक लाख रुपये की रिश्तत लेते हुए गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीजीएसटी अधीक्षक निशान सिंह मल्ली की गिरफ्तारी के बाद उसके परिसरों की तलाशी के दौरान सीबीआई ने उसके और उसके परिवार के सदस्यों के नाम पर करोड़ों रुपये मूल्य की 17 संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यहां बताया, “इन संपत्तियों में गाजियाबाद और मुरादाबाद में तीन आवासीय प्लैट, मुरादाबाद में एक व्यावसायिक दुकान, रामपुर और गजरोला में 12 आवासीय भूखंड शामिल हैं। आरोपी सरकारी कर्मी के नाम पर एक क्रेटा गाड़ी भी जब्त की गई है।” सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कथित रिश्तत राशि तीन लाख रुपये के अलावा तीन लाख रुपये नकद किये गये। प्रवक्ता ने कहा, “आरोपी लोक सेवक (अधिकारी) के आधिकारिक परिसर की तलाशी के दौरान मामले से संबंधित प्रासंगिक दस्तावेज जब्त किए गए और उनकी जांच की जा रही है।” सीबीआई का कहना है कि उसने इस मामले में एक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो एक कर वकील है तथा मामले में शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहा था। उसने कहा कि दोनों आरोपियों को गाजियाबाद की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल की विशेष मुलाकात

साधु-साध्वियों की सुरक्षा सहित छह सूचीय मांगों पर हुई चर्चा

जयपुर : राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से जयपुर के राजभवन में 9 जून को जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने विशेष भेंट की। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल से साम्राज जैन समाज भारत संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारतवर्षीय दिवांबर जैन महासभा – पश्चिम बंगाल प्रांत संयोजक साहित्य जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। राज्यपाल का स्वागत एवं अभिनंदन करने के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज से जुड़े गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। विशेष रूप से विभिन्न राज्यों राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, पश्चिम बंगाल और



मध्यप्रदेश में हाल ही में जैन साधु-साध्वियों की संदिग्ध सड़क दुर्घटनाओं और हत्याओं को लेकर गहरी चिंता प्रकट की गई। समाज का कहना है कि इनमें से कई घटनाएं सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या के प्रयास प्रतीत होती हैं, फिर भी पुलिस ने तो निष्पक्ष जांच की और

न ही एफआईआर दर्ज की। प्रतिनिधिमंडल ने छह सूत्रीय मांगों को राज्यपाल के समक्ष रखा, जिनमें सीबीआई या एसआईटी से जांच, पदयात्रा के दौरान सुरक्षा, साधु-साध्वियों को विशेष धार्मिक संत का दर्जा, धार्मिक संत सुरक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना, संदिग्ध घटनाओं की निष्पक्ष जांच और दो जैन मुनियों, मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 जय कीर्ति जी महाराज को राज्य अतिथि घोषित करने की मांग शामिल थी। राज्यपाल ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और यथासंभव आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। जैन समाज ने इस भेंटवात को एक सकारात्मक पहल बताया।

